जनेप प्राधिकरणाने वाढवण बंदर प्रकल्प लिमिटेडकरता एनएमडीसी समूह पीजेएससी सोबत 21,000 कोटी रुपयांच्या प्रस्तावित गुंतवणुकीसाठी केला सामंजस्य करार

मुंबई, 19 फेब्रुवारी 2025: भारतातील सर्वोत्तम कामगिरी करणाऱ्या जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरणाने वाढवण बंदर प्रकल्प लिमिटेडच्या बांधकामासाठी सामंजस्य करारावर स्वाक्षरी केली आहे, मंगळवारी, 18 फेब्रुवारी 2025 रोजी एनएमडीसी ग्रुप पीजेएससी (नॅशनल मरीन ड्रेजिंग कंपनी पीजेएससी) सह महत्त्वपूर्ण सहकार्य स्थापित केले. भारताच्या बंदरांच्या पायाभूत सुविधा वाढवण्याची आणि वाढवण बंदराला जागतिक स्तरावर पहिल्या 10 बंदरांपैकी एक बनवण्याची जनेप प्राधिकरणाची बांधिलकी या साहचर्याने दाखवून दिली आहे. जनेप प्राधिकरणाचे आणि वाढवण बंदर प्रकल्प लिमिटेडचे अध्यक्ष व व्यवस्थापकीय संचालक श्री उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से आणि यासीर झघलौल यांनी या संदर्भातील करारपत्रांची देवाणघेवाण केली.

सामंजस्य करारानुसार, एनएमडीसी ग्रुप पीजेएससीने वाढवण बंदराच्या ड्रेजिंग), रिक्लेमेशन आणि किनाऱ्याचे संरक्षण याकरता वाढवण किनारपट्टीच्या भू किनाऱ्याच्या विकासासाठी अंदाजे 21,000 कोटी रुपयांची गुंतवणूक प्रस्तावित केली आहे. या सामंजस्य कराराच्या माध्यमातून एनएमडीसी ग्रुप पीजेएससी भारताच्या सागरी विकासासाठी आपली दृढ वचनबद्धता दर्शवित आहे. एनएमडीसी ग्रुप पीजेएससीचे मुख्य कार्यालय अबू धाबी, यूएई येथे असून हा ग्रुप संपूर्ण मध्य पूर्व आणि त्यापलीकडेदेखील काम करतो. अभियांत्रिकी, सागरी ड्रेजिंग, खरेदी आणि बांधकाम क्षेत्रातील एनएमडीसी ग्रुप पीजेएससी एक सुप्रसिद्ध नाव आहे.

या सामंजस्य कराराचे महत्त्व अधोरेखित करताना, जनेप प्राधिकरणाचे अध्यक्ष आणि वाढवण बंदर प्रकल्प लिमिटेडचे अध्यक्ष व व्यवस्थापकीय संचालक श्री उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से., म्हणाले, “जनेप प्राधिकरण आणि एनएमडीसी ग्रुप पीजेएससी यांच्यातील सामंजस्य करार हा वाढवण बंदराला जागतिक दर्जाचे सागरी केंद्र म्हणून विकसित करण्याच्या दिशेने एक महत्त्वपूर्ण पाऊल आहे हे. धोरणात्मक आणि शाश्वत विकास सुनिश्चित करण्यासाठी भारताच्या सर्वात महत्वाकांक्षी बंदर प्रकल्पांपैकी एका प्रकल्पात जागतिक कौशल्याचा सामावेश करते. नियोजित वेळेआधीच झालेल्या प्रगतीसह, आम्ही पायाभूत सुविधांच्या विकासाला गती देण्यासाठी, भविष्यातील व्यापार मागण्या पूर्ण करण्यासाठी भारताच्या बंदर क्षमता वाढवण्यासाठी वचनबद्ध आहोत.”

केंद्रीय बंदरे, जहाज बांधणी आणि जलमार्ग मंत्री श्री सर्वानंद सोनोवाल आणि केंद्रीय बंदरे, जहाजबांधणी आणि जलमार्ग राज्यमंत्री श्री शांतनु ठाकूर यांच्या उपस्थितीत व्हीपीपीएलसाठी अनेक सामंजस्य करार यापूर्वी करण्यात आले आहेत.

जनेप प्राधिकरणाबद्दल :

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) हे भारतातील प्रमुख कंटेनर हाताळणी बंदरांपैकी एक आहे. २६ मे १९८९ रोजी स्थापना झाल्यापासून, जनेप प्राधिकरण एक बल्क कार्गो टर्मिनलवरून देशातील प्रमुख कंटेनर बंदरात रूपांतरित झाले आहे.

सध्या, जनेप प्राधिकरण पाच कंटेनर टर्मिनल्स चालवते - एन एस एफ टी , एन एस आय सी टी, एन एस आय जी टी, बी एम सी टी आणि ए पी एम टी बंदरात सामान्य मालवाहतुकीसाठी उथळ पाण्याचा बर्थ देखील आहे. जनेप प्राधिकरण पोर्टवर उपस्थित असलेले लिक्विड कार्गो टर्मिनल बीपीसीएल-आयओसीएल कन्सोर्टियमद्वारे व्यवस्थापित केले जाते. याव्यतिरिक्त, नव्याने बांधलेला किनारी धक्का इतर भारतीय बंदरांना जोडतो आणि किनारपट्टीवरील कंटेनरची वाहतूक वाढवते.

277 हेक्टर जमिनीवर वसलेले, जनेप प्राधिकरण भारतातील निर्यात-केंद्रित उद्योगांना चालना देण्यासाठी, अत्याधुनिक पायाभूत सुविधांसह, काळजीपूर्वक डिझाइन केलेले बहुउत्पादक विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) देखील चालवते.

जनेप प्राधिकरण महाराष्ट्रातील वाढवण येथे सर्व हवामानात काम करण्यायोग्य, २० मीटर नैसर्गिक खोल, ग्रीनफिल्ड पोर्ट विकसित करत आहे. हे जागतिक स्तरावरील सर्वोत्कृष्ठ १० बंदरांमध्ये स्थान मिळवणार आहे आणि स्थापनेपासून १००% हरित बंदर असेल.

मीडिया चौकशीसाठी, कृपया संपर्क साधा:

जनेप प्राधिकरण:

अंबिका सिंग

सीनियर मॅनेजर (मार्केटिंग), जनेप प्राधिकरण

मोबाईल क्रमांक: +919920372677

ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in

जनेप प्राधिकरण वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड के लिये ने **21,000** करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश के लिए एनएमडीसी समूह पीजेएससी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

मुंबई, 19 फरवरी, 2025: भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले पत्तन जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण ने वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड के निर्माण के लिए मंगलवार, 18 फरवरी, 2025 को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जो एनएमडीसी ग्रुप पीजेएससी (नेशनल मरीन ड्रेजिंग कंपनी पीजेएससी) के साथ एक महत्वपूर्ण सहयोग स्थापित करता है। इस साहचर्य द्वारा भारत के पत्तन बुनियादी ढांचे को बढ़ाने और वाढवण पत्तन को भविष्य में वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 पत्तनों में से एक में बदलने के लिए जनेप प्राधिकरण की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया गया है। इसका आदान-प्रदान जनेप प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से और श्री यासिर ज़घलौल ने किया।

समझौता ज्ञापन के अनुसार, एनएमडीसी समूह पीजेएससी ने वाढवण पत्तन के तलकर्षण, भूमि-उद्धार और तट संरक्षण द्वारा वाढवण तट के भूमि अपतटीय के विकास के लिए अनुमानित 21,000 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव किया है। समझौता ज्ञापन के माध्यम से, एनएमडीसी समूह पीजेएससी भारत के समुद्री विकास के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रदर्शन कर रहा है। एनएमडीसी ग्रुप पीजेएससी, अबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात में अपने मुख्य कार्यालय के साथ, पूरे मध्य पूर्व और दुनिया के अन्य देश में काम करता है, यह अभियांत्रिकी, समुद्री भूमि-उद्धार, न्यूनतम संभव मूल्य पर खरीद (प्रोक्योरमेंट) और निर्माण क्षेत्रों में एक प्रसिद्ध नाम है।

समझौता ज्ञापन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, जनेप प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से., ने कहा, "जनेप प्राधिकरण और एनएमडीसी ग्रुप पीजेएससी के बीच समझौता ज्ञापन वाढवण पत्तन को विश्व स्तरीय समुद्री केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सहयोग भारत की सबसे महत्वाकांक्षी पत्तन परियोजनाओं में से एक के लिए वैश्विक विशेषज्ञता लाता है, जिससे इसका रणनीतिक और सतत विकास सुनिश्चित होता है। निर्धारित समय से पहले प्रगति के साथ, हम बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने और भविष्य की व्यापार मांगों को पूरा करने के लिए भारत की पत्तन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

इससे पहले, माननीय केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल और माननीय केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री श्री शांतनु ठाकुर की उपस्थिति में वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड के लिए कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

जनेप प्राधिकरण के बारे में :

जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) भारत के प्रमुख कंटेनर-हैंडलिंग बंदरगाहों में से एक है। 26 मई 1989 को अपनी स्थापना के बाद से, जनेप प्राधिकरण ने एक बल्क कार्गो टर्मिनल से देश के प्रमुख कंटेनर पत्तन में परिवर्तन किया है।

वर्तमान में, जनेप प्राधिकरण पांच कंटेनर टर्मिनलों - एनएसएफटी, एनएसआईसीटी, एनएसआईजीटी, बीएमसीटी और एपीएमटी का संचालन करता है। बंदरगाह में सामान्य कार्गो के लिए उथले पानी की बर्थ भी है। जेएनपीए पोर्ट पर मौजूद लिक्विड कार्गो टर्मिनल का प्रबंधन बीपीसीएल-आईओसीएल कंसोर्टियम द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त, नवनिर्मित तटीय बर्थ अन्य भारतीय बंदरगाहों को जोड़ता है और तटीय कंटेनरों के यातायात को बढ़ाने की सुविधा प्रदान करता है।

277 हेक्टेयर भूमि पर बसा जनेप प्राधिकरण भारत में निर्यातोन्मुखी उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ एक सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया बहु-उत्पाद एसईजेड भी संचालित करता है।

जनेप प्राधिकरण महाराष्ट्र के वाढवण में एक सभी मौसमों में सक्षम, गहरे ड्राफ्ट वाला, ग्रीनफील्ड पत्तन भी विकसित कर रहा है। यह वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 बंदरगाहों में शामिल होने की संभावना है और इसकी स्थापना से ही 100% ग्रीन पोर्ट होगा।

मीडिया पूछताछ के लिए, कृपया संपर्क करें:

जनेप प्राधिकरण:

अंबिका सिंह

वरिष्ठ प्रबंधक (मार्केटिंग), जनेप प्राधिकरण

मोबाईल क्रमांक: +919920372677

ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in

JNPA Signed an MoU with NMDC Group PJSC for the Proposed Investment of 21,000 Cr. for the Vadhvan Port Project Ltd.

Mumbai, February 19th, 2025: Jawaharlal Nehru Port Authority - India's Best Performing Port, has signed a Memorandum of Understanding (MoU) for the construction of the Vadhvan Port Project Ltd., establishing an important collaboration with NMDC Group PJSC (Formerly National Marine Dredging Company PJSC) on Tuesday, February 18th, 2025. JNPA's commitment to enhancing India's port infrastructure and transforming Vadhvan Port into one of the top 10 ports globally, port of the future is demonstrated by this association. It was exchanged by Shri Unmesh Sharad Wagh, IRS, Chairman, JNPA and CMD, VPPL, and Mr. Yasser Zaghloul.

According to the Memorandum of Understanding, NMDC Group PJSC has proposed to invest an estimated ₹21,000 crore for the development of the Land Offshore of Vadhvan Coast by Dredging, Reclamation and Shore Protection of Vadhvan Port. Through the MoU, NMDC Group PJSC is showcasing its steadfast commitment to India's maritime growth. NMDC Group PJSC, with its head office in Abu Dhabi, UAE, works throughout the Middle East and beyond, it is a well-known name in the engineering, marine dredging, procurement, and construction sectors.

While highlighting the significance of the MoU, Shri Unmesh Sharad Wagh, IRS, Chairman, JNPA and CMD, VPPL, said, "The MoU between JNPA and NMDC Group PJSC is a significant step towards developing Vadhvan Port as a world-class maritime hub. This collaboration brings global expertise to one of India's most ambitious port projects, ensuring its strategic and sustainable development. With progress ahead of schedule, we are committed to accelerating infrastructure development and enhancing India's port capabilities to meet future trade demands."

Earlier, several MoUs were signed for VPPL in the presence of the Shri Sarbananda Sonowal, Hon'ble Union Minister of Ports, Shipping and Waterways and Shri Shantanu Thakur, Hon'ble Union Minister of State for Ports, Shipping and Waterways, during their visit to JN Port.

About JNPA:

The Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) is one of the premier container-handling ports in India. Since its inception on May 26, 1989, JNPA has transformed from a bulk cargo terminal into the premier container port in the country.

Currently, JNPA operates five container terminals - NSFT, NSICT, NSIGT, BMCT and APMT. The Port also has a Shallow Water Berth for general cargo. A Liquid Cargo Terminal present at the JNPA Port is managed by the BPCL-IOCL consortium. Additionally, the newly constructed coastal berth links other Indian ports and facilitates enhancing the traffic of coastal containers.

Nestled across 277 hectares of land, JNPA also operates a meticulously designed multi-product SEZ, with state-of-the-art infrastructure, to boost export-oriented industries in India.

JNPA is also developing an all-weather, deep-draft, greenfield port at Vadhvan, in Maharashtra. It is poised to be among the top 10 ports globally and will be 100% green port since its inception.

For media enquiries, please contact:

JNPA:
Ambika Singh
Sr. Manager (Marketing), JNPA
Mob: +919920372677
E-mail: ambikasingh@jnport.gov.in